Publication	Dainik Jagran	Language	Hindi
Edition	New Delhi	Journalist	Bureau
Date	30/06/2023	Page no	9
CCM	12.6		

प्रधानमंत्री मोदी करेंगे सहकारी महासम्मेलन का उद्घाटन

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ का 17वां महासम्मेलन दिल्ली में शनिवार से होने जा रहा है। प्रगति मैदान में दो दिनों तक चलने वाले कार्यक्रम का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अध्यक्षता केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह करेंगे। समापन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला करेंगे। संघ के अध्यक्ष दिलीप भाई संघानी ने गुरुवार को प्रेस कान्फ्रेंस कर इसकी जानकारी दी।

उन्होंने दावा किया कि सहकारिता क्षेत्र के लगभग पांच करोड़ लोग वर्चुअल तरीके से भी जुड़ेंगे। यह सम्मेलन लगभग दस वर्षों के बाद बुलाया जा रहा है। कार्यक्रम का विषय अमृत काल-जीवंत भारत के लिए सहकार से समृद्धि रखा गया है। अंतरराष्ट्रीय सहकारी संघ के अध्यक्ष डा. चंद्रपाल सिंह यादव ने बताया कि कार्यक्रम में नेपाल, मलेशिया, फिलीपींस, श्रीलंका, पापुआ न्यूगिनी एवं बांग्लादेश समेत दस देशों के प्रतिनिधि आ रहे हैं।

Internal (for authorised circulation only)

Downloaded from SAMVAD

Publication	Hindustan	Language	Hindi
Edition	New Delhi	Journalist	Bureau
Date	30/06/2023	Page no	13
CCM	35.33		

तैयारी एक जुलाई से आयोजित होने वाले भारतीय सहकारी महासम्मेलन में मंथन होगा, प्रधानमंत्री उद्घाटन करेंगे

शोध के लिए सहकारिता विश्वविद्यालय खुलेंगे

नई दिल्ली, विशेष संवाददाता। केंद्र सरकार देश भर में शिक्षण-प्रशिक्षण और शोध कार्य के लिए सहकारिता विश्वविद्यालय खोलने की योजना बना रही है। सहकारिता क्षेत्र को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और अन्य आधुनिक तकनीकों के माध्यम से हाईटेक बनाने की तैयारी है।

इस कदम से सरकार का मकसद सहकारिता से समृद्धि मूल मंत्र के जारिए गांव, किसान और महिलाओं की आर्थिक स्थिति में सुधार करने का है। इसके तहत भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ की ओर से यहां एक जुलाई से दो दिवसीय महासम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। प्रगति मैदान में 17वें भारतीय सहकारी महासम्मेलन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। राष्ट्रीय स्तर के सहकारिता संगठनों के प्रमुखों ने गुरुवार को पत्रकार वार्ता के दौरान बताया कि कार्यक्रम का विषय 'अमृतकाल- जीवंत भारत हेतु सहकार से समृद्धि' है।

आधुनिक तकनीक से जोड़ने पर चर्चा होगी : भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ के चंद्रपाल यादव, राष्ट्रीय सहकारी कृषि व ग्रामीण बैंक अध्यक्ष डॉलराय कोटेचा, भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ अध्यक्ष बिजेंद्र सिंह आदि ने बताया कि महासम्मेलन में सहकारिता क्षेत्र को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के उपायों पर चर्चा होगी। इसके अलावा शिक्षण, प्रशिक्षण और शोध कार्य के लिए विश्वविद्यालयों को खोलने पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

10 देशों के प्रतिनिधि रहेंगे मौजूद

भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ के चंद्रपाल यादव ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता गृह मंत्री अमित शाह करेंगे। महासम्मेलन में प्रमुख रूप से सहकारिता कानून और नीतियों में बदलाव को लेकर चर्चा होगी। कार्यक्रम में 10 देशों नेपाल, मलेशिया, ईरान, श्रीलंका, बांग्लादेश आदि से 25 प्रतिनिधि भाग लेंगे। सहकारिता क्षेत्र के लगभग पांच करोड़ प्रतिनिधि ऑनलाइन कार्यक्रम से जुड़ेंगे। आयोजन का उद्देश्य सहकारिता आंदोलन की प्रवृतियों पर चर्चा करना है, ताकि सफल सहकारी संस्थाओं की कार्यशैली पर प्रकाश डाला जा सके और सहकारिता क्षेत्र की चुनौतियों पर चर्चा हो सके। इस दौरान एक प्रदर्शनी लगाई जाएगी, जिसमें स्वयं सहायता समूहों और शिक्षा क्षेत्र से जुड़े उत्पाद दर्शाए जाएंगे।

Internal (for authorised circulation only)

Downloaded from SAMVAD

Publication	Jansatta	Language	Hindi
Edition	New Delhi	Journalist	Bureau
Date	30/06/2023	Page no	8
CCM	45.34		

दस साल बाद होगा भारतीय सहकारिता महासम्मेलन

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 29 जून।

देश की सहकारिता संस्थाओं का महासम्मेलन आगामी एक और दो जुलाई को दिल्ली के प्रगति मैदान में होगा। यह सम्मेलन दस साल बाद आयोजित हो रहा है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नया सहकारिता मंत्रालय बनने के बाद पहली बार इस महासम्मेलन को संबोधित करेंगे।

सम्मेलन के आखिरी दिन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भी इस सम्मेलन में शामिल होंगे। सम्मेलन में सहकारिता क्षेत्र से संबंधित नियमों, कानूनों और प्रक्रियाओं पर मंथन होगा ताकि भविष्य में इस क्षेत्र में सामने आने वाली तकनीकी दिक्कतों को दूर किया जा सके।

इस सम्मेलन को अमृतकाल जीवंत भारत के लिए सहकार से समृद्धि के विषय पर आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन की अध्यक्षता केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे संबोधित, गृह मंत्री करेंगे अगुआई।
समापन समारोह में शामिल होंगे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला।

प्रत्येक वर्ष एक जुलाई को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस मनाया जाता है, इसलिए इस सत्र वें महासम्मेलन की विशेषता और भी बढ़ जाती है। बताया जा रहा है कि इस सम्मेलन में अनुकूल सहकारी कानून और नीतिगत सुधार, सहकारी आंदोलन को मजबूत करने के विभिन्न क्षेत्रों के आपसी सहयोग, सहकारी शिक्षण, प्रशिक्षण और अनुसंधान कार्य का सुदृढ़ीकरण और व्यवसाय को आसानी बनाने जैसे अहम बिंदुओं पर चर्चा की जाएगी।

इस महा सम्मेलन में देश और दुनिया भर के सहकारी संगठनों के 3500 प्रतिनिधि भाग लेंगे। ये प्रतिनिधि देश व दुनिया में सहकारी क्षेत्र में सामने आ रही दिक्कतों पर चर्चा करेंगे और उनके समाधान के रास्ते भी सुझाएंगे।

सम्मेलन में श्रीलंका, बांग्लादेश, फिलीपींस, नेपाल और मलेशिया के चालीस से अधिक प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। इससे पूर्व सहकारी महासम्मेलन का आयोजन जून 20213 में हुआ था, जिसका पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने किया था। भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ के अध्यक्ष दिलीप संघाणी ने बताया कि सम्मेलन में सहकारी क्षेत्र की समस्या पर सात विभाग में चर्चा होगी।

मंत्रालय बनने के बाद कैसे मजबूत बनाया जाए, इस संबंध में मार्ग दर्शन मिलेगा। सम्मेलन में विविध क्षेत्र से लोग शामिल होंगे और उद्घाटन के बाद कई सत्र होंगे , जहां सहकारिता कानून पर चर्चा होगी कि कानून को कैसे बेहतर बना सकते हैं। अब तक पांच सत्र आयोजित किए जा चुके हैं। इनकी जानकारी भी सम्मेलन में रखी जाएगी ताकि अन्य राज्यों व प्रतिनिधियों से बेहतर सुझाव सामने आ सके।

Internal (for authorised circulation only)
Downloaded from SAMVAD

Publication	Punjab Kesri	Language	Hindi
Edition	New Delhi	Journalist	Bureau
Date	30/06/2023	Page no	7
CCM	24.99		

शिक्षण-प्रशिक्षण और शोध के लिए खुलेंगे सहकारिता विवि

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : केंद्र सरकार देश भर में शिक्षण-प्रशिक्षण और शोध कार्य के लिए सहकारिता विश्वविद्यालय खोजने की योजना बना रही है। सहकारिता क्षेत्र को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और अन्य आधुनिक तकनीकों के माध्यम से हाईटेक बनाने की तैयारी है। सरकार का मकसद सहकारिता से समृद्धि मूल मंत्र के जारिए गांव, किसान व महिलाओं की आर्थिक स्थिति में सुधार करने का है।

इसके तहत भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ की ओर से यहां एक जुलाई से दो दिवसीय महासम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। प्रगति मैदान में 17वें भारतीय सहकारी महासम्मेलन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। राष्ट्रीय स्तर के सहकारिता संगठनों के प्रमुखों ने गुरुवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि कार्यक्रम का विषय 'अमृतकाल-जीवंत भारत हेतु सहकार से समृद्धि है।(p)भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ के चंद्रपाल यादव, राष्ट्रीय सहकारी कृषि व ग्रामीण बैंक अध्यक्ष डॉलराय कोटेचा, भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ अध्यक्ष बिजेंद्र सिंह आदि ने बताया कि महासम्मेलन में सहकारिता क्षेत्र को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के उपायों पर चर्चा होगी। इसके अलावा शिक्षण, प्रशिक्षण और शोध कार्य के लिए विश्वविद्यालयों को खोलने पर विचार-विमर्श किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह करेंगे। महासम्मेलन में प्रमुख रूप से सहकारिता कानून और नीतियों में बदलाव को लेकर चर्चा होगी। कार्यक्रम में 10 देशों नेपाल, मलेशिया, ईरान, श्रीलंका, बांग्लादेश आदि से 25 प्रतिनिधियों का दल शिरकत करेगा। सहकारिता क्षेत्र के प्रतिनिधि ऑनलाइन भी कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम से लगभग पांच करोड़ सदस्य जुड़ेंगे। इस आयोजन का उद्देश्य सहकारिता आंदोलन की प्रवृतियों पर चर्चा करना है, ताकि सफल सहकारी संस्थाओं की सर्वोत्तम कार्यशैली को उजागर किया जा सके और सहकारिता क्षेत्र की चुनौतियों पर विचार-विमर्श हो सके। कार्यक्रम के दौरान एक प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

Internal (for authorised circulation only)

Downloaded from
SAMVAD

Publication	Rashtriya Sahara	Language	Hindi
Edition	New Delhi	Journalist	Bureau
Date	30/06/2023	Page no	9
CCM	68.62		

ढाई दशक बाद पीएम करेंगे सहकारिता महासम्मेलन का उद्घाटन

नई दिल्ली (एसएनबी)। दो दिवसीय भारतीय सहकारिता महासम्मेलन 1 और 2 जुलाई को आयोजित किया जाएगा। महासम्मेलन के आयोजक भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ (एनसीयूआई) के अध्यक्ष दिलीप संघानी ने प्रेस कांफ्रेंस में बताया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका उद्घाटन करेंगे। उन्होंने बताया, ढाई दशक के बाद प्रधानमंत्री सहकारिता महासम्मेलन का उद्घाटन कर रहे हैं। ढाई दशक पहले सहकारिता महासम्मेलन में तत्कालीन प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा ने भाग लिया था।

- सहकारिता क्षेत्र सरकार की प्राथमिकता बना
- दो दिवसीय महासम्मेलन एक और दो जुलाई को
- महासम्मेलन में 5 करोड़ व्यक्ति ऑनलाइन लेंगे भाग

इस बार प्रधानमंत्री सहकारी समितियों हेतु पहला ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म 'एनसीयूआई हाट पोर्टल' लांच करेंगे। जिससे छोटी से छोटी सहकारी समितियां अपना नए बाज़ार ढूंढ़कर व्यापार कर सकेंगी। सम्मेलन में भारत में सहकारी समितियों का ऐतिहासिक विकास नामक पुस्तक का विमोचन भी किया जाएगा। सहकारिता मंत्री सहकारिता महासम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे। यह 17वां भारतीय सहकारी महासम्मेलन है जो प्रगति मैदान में रखा गया है। महासम्मेलन में 5 करोड़ व्यक्ति ऑनलाइन शामिल होने वाले हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में आईसीए (अंतरराष्ट्रीय सहकारी गठबंधन) एशिया प्रशांत क्षेत्र के अध्यक्ष चंद्रपाल यादव ने बताया, सहकारी महासम्मेलन में श्रीलंका, बांग्लादेश, फिलीपींस,नेपाल और मलयेशिया आदि 40 से अधिक देशों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। इसमें अंतरराष्ट्रीय सहकारी गठबंधन के सदस्य देशों के प्रतिनिधि ऑनलाइन शामिल होंगे।

आईसीए के अध्यक्ष ने बताया, महासम्मेलन के एक सत्र में सहकारिता कानून पर भी चर्चा होगी। इस वर्ष के भारतीय

सहकारी महासम्मेलन का विषय 'अमृत काल : जीवंत भारत के लिए सहकार से समृद्धि' है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सहकारी क्षेत्र के प्रमुख मुद्दों पर चर्चा और विचार-विमर्श करना और भविष्य के लिए एक प्रभावी रोडमैप तैयार करना है। दो जुलाई सहकारी महासम्मेलन के समापन सत्र में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भी भाग लेंगे। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डा. मनसुख मंडाविया, मत्स्य पालन,पशुपालन और डेयरी मंत्री पुरुषोतम रूपाला भी इसमें आएंगे।

हर साल एक जुलाई को अंतरराष्ट्रीय सहकारी दिवस मनाया जाता है। इसलिए 17वें भारतीय सहकारी महासम्मेलन का अधिक महत्व है। इस वर्ष के अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस का विषय 'सहकारिता : त्वरित एवं सतत विकास हेतु भागीदार' है।

महासम्मेलन के 7 तकनीकी सत्र :

- अनुकूल सहकारी कानून एवं नीतिगत सुधार
- सहकारी आंदोलन को मजबूत करने के लिए क्रॉस सेक्टोरल सहयोग
- सहकारी शिक्षण, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान कार्य का सुदृढ़ीकरण
- प्रतिस्पर्धी सहकारी व्यावसायिक उद्यमों के लिए इज ऑफ डूइंग बिज़नेस
- सहकारी शासन के लिए नवाचार एवं प्रौद्योगिकी
- सहकारी समितियों के माध्यम से लैंगिक समानता एवं सामाजिक समावेश को बढ़ावा
- भारतीय अर्थव्यवस्था में सहकारी ऋण प्रणाली का महत्व

****

Internal (for authorised circulation only)

Downloaded from SAMVAD